गजेन्द्र

पत्रावलि के अनुसार श्री वादी के उसके वकील को बार-2 आवाज लगवाने के बाद भी उपस्थित नहीं.

अतः डिग्री वादी के पक्ष में डिक्री के पैरवी न होने के कारण पत्रावलि मूल रूप से निस्तारित की जाती है.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.06.23 13:04:25 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner